इच्छाओं को कम करें और मन को शान्त रखें

राजयोगी ब्र.कु. जगदीशचन्द्र हसीजा

इच्छा का जन्म भी इच्छा से ही होता है और इच्छा का अन्त भी इच्छा से ही होता है। कठिनाई यही है आप यह कोशिश कीजिए कि 'मेरा तो एक शिव बाबा और कोई नहीं'। बाबा ही मेरा संसार है। मुझे और कुछ नहीं चाहिए।

एकाग्रता है तो शिव बाबा से योग लगेगा। शिव बाबा है बिन्दु रूप, सूक्ष्मातिसूक्ष्म। उसके साथ आपका मन जुड़ेगा। अगर मन इधर-उधर भागेगा तो जुड़ेगा कैसे? मन इधर-उधर भागता क्यों है? क्योंकि एक तो उसको एकाग्र करने का अभ्यास नहीं है, दूसरा कुछ इच्छायें रही हुई हैं। अभी भी हमारे मन में इच्छायें रही हुई हैं। बहुत सारी इच्छायें रही हुई हैं। मुझे फलाने विभाग का अध्यक्ष बना दें, और कुछ नहीं तो फलाने कार्यालय का प्रबंधकर्त्ता बना दें। ये नहीं तो वो बना दें। यह है एक इच्छा। दूसरी इच्छा है कि फलाना व्यक्ति विदेश हो आया, उसकी दूसरी बारी भी आ गई, हूँ तो मैं भी पुराना, इस साल मेरी बारी लगी नहीं। क्या बात है? उनकी इच्छा यह है कि जाकर घूम आयें। कहते हैं कि सागर के ऊपर से एक पक्षी उड़ रहा था। उड़ता रहा, उड़ता रहा। जहाँ भी देखो उसको पानी ही पानी दिखाई पड़ रहा था। बैठने के लिए कोई जगह दिखायी नहीं पड़ी। फिर उसने देखा कि एक जहाज जा रहा था, उसके ऊपर बैठा। फिर वह उड़ने लगा, उड़ता रहा, कोई ठिकाना नहीं, थककर फिर आकर उसी जहाज पर बैठ गया। अरे आत्मन्, इस मन रूपी पक्षी को कहीं कोई ठिकाना है नहीं। तुम ढूंढकर देख लो। कोशिश करके देख लो। हम सब जानते तो हैं, दूसरों को सुनाते भी हैं लेकिन प्रैक्टिकल अपने लिए करते तो नहीं हैं। अगर हमारी इच्छायें बड़ी तीव्र गति की बनी रहेंगी तो योग लग नहीं सकता।

इच्छाओं को बिल्कुल खत्म नहीं कर सकते, उनको कम करो और उनकी गति को कम करो। क्योंकि इच्छा की जननी भी इच्छा ही है और इच्छा को रोकने वाला तरीका भी इच्छा ही है। इच्छा के बिना इच्छा को रोक भी नहीं सकते। देखिये यह विचित्रता कि इच्छा का जन्म भी इच्छा से ही होता है और इच्छा का अन्त भी इच्छा से ही होता है। कठिनाई यही है आप यह कोशिश कीजिए कि "मेरा तो एक शिव बाबा और कोई नहीं। बाबा ही मेरा संसार है। मुझे और कुछ नहीं चाहिए। बाबा मिल गया, उसने मुझे भरपूर कर दिया, मैं मालामाल हो गया।" देश जाना-विदेश जाना, उसमें क्या रखा है! आप जाकर देख लीजिए, सब आदमी एक जैसे ही हैं। सबकी नाक, आँख, कान इसी तरह के हैं। रंग का भेद ज़रूर है, थोड़ा बहुत बनावट में है फर्क। किसी की नासिका थोड़ी लम्बी या थोड़ी चौड़ी। मानव स्वभाव पूरी दुनिया में एक जैसा है। चीज़ वही है, किसी के ऊपर एक रंग का प्लास्टिक चढ़ा हुआ है, किसी के ऊपर दूसरे रंग का। वही नेचर है, उसी तरह के आदमी हैं। लेकिन लोग भरमा देते हैं। जब आपस में मिलते हैं तो एक दूसरे से पूछते रहते हैं कि आज तक तुमने कितने देश देखे? वह कहेगा, छह देश। फिर यह कहेगा कि ये तो कुछ भी नहीं, फलाना दस देश देखकर आया है। तुमको भी दस तो देखने चाहिए। दस देखने के बाद कहेगा, अरे, कम से कम बारह, एक दर्जन तो देखने चाहिए। अरे भाई, तुम्हारी यह इच्छा मिटने वाली नहीं है। काहे को भागता-दौड़ता है? आपने सुना होगा, एक पौराणिक कथा है। शंकर जी ने कार्तिकेय और गणपति से पूछा कि तुम दोनों में विश्व का चक्कर लगाकर मेरे पास कौन पहले पहुंचेगा? सबने सुना है ना!

बेचारा कार्तिकेय मोर लेकर भागा-भागा और भागता ही रहा। गणपति भागा ही नहीं, चुपचाप खड़ा रहा। शंकर जी ने उससे पूछा, क्या बात है भाई, तू तो भागता नहीं है, यह कैसे चलेगा? तब गणपति कहता है, आप हैं जहाँ पर, मेरे लिए सारी दुनिया वहीं है। समझा? तो यह समझने की बात है। अरे, मिल गया बाप, मिल गयी सारी दुनिया। हम यज्ञ में इसीलिए आये हैं कि बाबा आये हुए हैं। जिसको ढूंढने के लिए तो हम इधर-उधर भागते थे, भटकते थे। वो जहाँ आता है वहीं हम बैठे हुए हैं, तो और कहाँ बाहर कलियुग में जाना है? क्या करना है? जो काम हमारा बाप कर रहा है, वही काम हमें भी करना है।

नई दिल्ली। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान जो सम्बलपुर ओडिशा से लोकसभा के सांसद चुने गए, उनके निवास स्थान पर जाकर बधाई देने के पश्चात् उन्हें व उनकी धर्मपत्नी श्रीमती मृदुला प्रधान को ईश्वरीय स्मृति चिन्ह भेंट करते हुए ब्रह्माकुमारीज़ वसंत विहार सेवाकेंद्र की संचालिका राजयोगिनी ब्र.कु. क्षीरा दीदी एवं ब्र.कु. विकास भाई।

नेपाल-काठमाण्डू। नेपाल के नवनियुक्त माननीय उप-प्रधानमंत्री तथा शहरी विकास मंत्री प्रकाशमान सिंह को उनके निवास स्थान चाक्सीबारी में एक समारोह के मध्य ब्रह्माकुमारीज़ की स्थानीय निदेशिका राजयोगिनी ब्र.कु. राज दीदी ने बधाई एवं शुभकामनाएं दी। उप-प्रधानमंत्री ने ब्रह्माकुमारीज़ की जनहित सेवा की प्रशंसा करते हुए अपनी ओर से संस्था के कार्यों को हर प्रकार का सहयोग करने का वादा किया और पूरे ब्रह्माकुमारीज़ टीम को धन्यवाद दिया।

जयपुर-राज.। युवा एवं खेल राज्य मंत्री पूर्व सांसद एवं ओलंपिक सिल्वर मेडल शूटिंग के विजेता राज्यवर्धन सिंह राठौड़ को 'प्रेरणा यूथ फेस्टिवल' का निमंत्रण देते हुए ब्र.कु. गीता बहन,भीनमाल। इस मौके पर ब्र.कु. कोमल भाई,पीआरओ,माउण्ट आबू, ब्र.कु. वीरेंद्र भाई और ब्र.कु. एकता बहन उपस्थित रहे।

ज्ञानसरोवर-माउण्ट आबू। ज्ञान सरोवर परिसर के हार्मनी हॉल में ब्रह्माकुमारीज़ के कला एवं संस्कृति प्रभाग द्वारा 'प्रेम-शांति और सद्भाव' विषय पर आयोजित अखिल भारतीय सम्मेलन के शुभारंभ कार्यक्रम में मुख्य अतिथि हरियाणा से आये माटी कला बोर्ड के अध्यक्ष ईश्वर सिंह, विशिष्ट अतिथि बॉलीवुड के सिंटा के सचिव हेमंत पांडे, बॉलीवुड के प्रख्यात लेखक एवं निर्देशक सूरज तिवारी, टेलीविज़न की प्रख्यात एक्ट्रेस नीलू कोहली, बॉलीवुड की एक्ट्रेस अंजली अरोरा, ब्रह्माकुमारीज़ के अति. महासचिव राजयोगी ब्र.कु. बृजमोहन भाई, संयुक्त मुख्य प्रशासिका तथा ज्ञान सरोवर की निदेशिका राजयोगिनी ब्र.कु. सुदेश दीदी, कला एवं संस्कृति प्रभाग की अध्यक्षा राजयोगिनी ब्र.कु. चंद्रिका दीदी, प्रभाग के उपाध्यक्ष राजयोगी ब्र.कु. दयाल भाई, प्रभाग के राष्ट्रीय संयोजक ब्र.कु. सतीश भाई, भावनगर से आईं राजयोग शिक्षिका ब्र.कु. तृप्ति बहन, करनाल से आईं वरिष्ठ राजयोगिनी ब्र.कु. प्रेम दीदी सहित देश के विभिन्न हिस्सों से बड़ी संख्या में कलाकार, शिल्पकार तथा कला और शिल्प से जुड़े हुए सिने जगत के अदाकारों ने भाग लिया।

दिल्ली-कृष्णा नगर। पूर्वी दिल्ली के सांसद हर्ष मल्होत्रा को केंद्रीय कॉर्पोरेट मामलों के मंत्रालय और सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय में राज्य मंत्री(एमओएस) के पद पर नियुक्त होने पर शुभकामनाएं एवं ईश्वरीय सौगात व प्रसाद भेंट करते हुए स्थानीय ब्रह्माकुमारीज़ सेवाकेंद्र की संचालिका ब्र.कु. अनु दीदी।

दिल्ली-आर.के.पुरम। उत्तराखंड पर्व हरेला एवं गुरु पूर्णिमा के अवसर पर पूर्व विधायक अनिल शर्मा एवं आर.के. पुरम समाज कल्याण समिति द्वारा आयोजित कार्यक्रम के दौरान मुख्य अतिथि सांसद बहन बांसुरी स्वराज ने ब्रह्माकुमारीज़ आर.के. पुरम सेवाकेंद्र से आमंत्रित ब्र.कु. अनीता बहन, ब्र.कु. मनीषा बहन एवं ब्र.कु. ज्योति बहन को सम्मानित किया। इसके साथ ही उन्होंने 'एक पेड़ माँ के नाम' नामक एक पेड़ भी लगाया। इस अवसर पर समिति के कई कार्यकर्ता और मंडल सदस्य मौजूद रहे।

रोसड़ा-समस्तीपुर(बिहार)। नवनिर्वाचित सांसद सह केंद्रीय जल शक्ति राज्य मंत्री डॉ. राज भूषण चौधरी को शुभकामनाएं देने के पश्चात् ईश्वरीय स्मृति चिन्ह भेंट करते हुए ब्र.कु. कुंदन बहन।

पटना-बिहार। ब्रह्माकुमारीज़ के पाटलिपुत्र कॉलोनी सेवाकेंद्र की ओर से कुर्जी के संगम पैलेस में आयोजित 'श्रीमद् भगवद् गीता का आध्यात्मिक रहस्य' विषयक त्रिदिवसीय कार्यक्रम को राजयोगिनी ब्र.कु. कंचन दीदी ने सम्बोधित किया। कार्यक्रम में हरी साहनी माननीय मंत्री बिहार सरकार, डॉ. संजय पासवान एमएलसी, डॉ. राजकुमार नाहर स्टेशन डायरेक्टर दूरदर्शन केंद्र पटना, अभय झा, प्रो. अनंत कुमार निदेशक तारामण्डल, मलय मंडल क्षेत्रीय निदेशक एमएसटीसी, डॉ. जनार्दन जी, डॉ. एस.के. सिन्हा महावीर कैंसर संस्थान, रामलाल खेतान अध्यक्ष बिहार इंडस्ट्रीज़ एसोसिएशन, ए.एम. प्रसाद, ब्र.कु. सुभाष दीदी,स्थानीय ब्रह्माकुमारीज़ सेवाकेंद्र संचालिका सहित लगभग 1000 लोग शामिल रहे।

पटना सिटी-पंचवटी कॉलोनी(बिहार)। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर आयोजित कार्यक्रम का दीप प्रज्वलित कर शुभारंभ करते हुए सेवाकेंद्र संचालिका ब्र.कु. रानी बहन तथा अन्य ब्र.कु. भाई-बहनें।